परिचय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सामान्य अर्थव्यवस्था, आवश्यकताएँ और दुर्लभता

प्रश्न 1 (आसान). निम्नलिखित में से कौन-सी चीज़ असीमित है?
उत्तर – आपकी इच्छाएँ

प्रश्न 2 (आसान). जब आपकी ज़रूरतें ज़्यादा हों और उन्हें पूरा करने के लिए चीज़ें कम हों, तो इसे क्या कहते हैं?
उत्तर – दुर्लभता

प्रश्न 3 (मध्यम). सीमा के पास अपनी परीक्षा की तैयारी के लिए केवल 3 दिन हैं। उसे विज्ञान और गणित दोनों की तैयारी करनी है। यह किस आर्थिक समस्या का उदाहरण है?
उत्तर – चयन की समस्या

प्रश्न 4 (कठिन). एक देश के पास अपनी सारी आबादी को मुफ्त शिक्षा और मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। क्या यह 'दुर्लभता' का उदाहरण है? समझाइए।
उत्तर – हाँ, यह दुर्लभता का उदाहरण है। देश की आबादी की 'आवश्यकताएँ' (मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा) असीमित हैं, लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए 'संसाधन' (पैसा, डॉक्टर, स्कूल आदि) सीमित हैं। इस कारण देश को यह 'चयन' करना पड़ेगा कि वह किस क्षेत्र में कितना खर्च करे।

» संसाधन और व्यक्ति विशेष की भूमिका

प्रश्न 5 (आसान). कपड़ा बनाने वाले के लिए धागा क्या है? (संसाधन/वस्तु)
उत्तर – संसाधन

प्रश्न 6 (आसान). क्या एक घर एक 'व्यक्ति विशेष' हो सकता है?
उत्तर – नहीं

प्रश्न 7 (मध्यम). एक डॉक्टर के लिए उसका ज्ञान और उपकरण क्या कहलाएंगे – 'संसाधन' या 'सेवा'?
उत्तर – संसाधन

प्रश्न 8 (कठिन). आपके स्कूल के संदर्भ में, 'व्यक्ति विशेष' और 'संसाधन' के दो-दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर – व्यक्ति विशेष: प्रिंसिपल, शिक्षक। संसाधन: स्कूल की इमारत, किताबें, बेंच, खेल का मैदान।

» अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएँ

प्रश्न 9 (आसान). अगर एक गाँव में मज़दूर ज़्यादा हैं लेकिन पैसा कम है, तो किस तकनीक से उत्पादन करना बेहतर होगा - मज़दूर-प्रधान या पूंजी-प्रधान?
उत्तर – मज़दूर-प्रधान तकनीक।

प्रश्न 10 (आसान). सरकार ने तय किया है कि इस साल बच्चों की शिक्षा पर ज़्यादा खर्च करेगी। यह अर्थव्यवस्था की कौन सी केंद्रीय समस्या से जुड़ा है?
उत्तर – क्या उत्पादन करें और कितनी मात्रा में?

प्रश्न 11 (मध्यम). एक मिठाई वाला है। उसके पास चीनी और दूध सीमित मात्रा में है। उसे लड्डू और बर्फी दोनों बनानी है। वह कौन सी केंद्रीय समस्या का सामना कर रहा है? समझाइए।
उत्तर – वह 'क्या उत्पादन करें और कितनी मात्रा में?' की समस्या का सामना कर रहा है। उसे तय करना होगा कि इन सीमित संसाधनों से लड्डू ज़्यादा बनाए या बर्फी, ताकि उसकी बिक्री भी अच्छी हो और ग्राहकों की पसंद भी पूरी हो।

प्रश्न 12 (कठिन). एक देश में बहुत अमीर और बहुत गरीब लोग हैं। सरकार ने 'सबके लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा' शुरू करने का फैसला किया है। इस फैसले में अर्थव्यवस्था की तीनों केंद्रीय समस्याएँ कैसे शामिल हैं?
उत्तर – 1. 'क्या उत्पादन करें?' में: सरकार ने स्वास्थ्य सेवा (अस्पताल, डॉक्टर, दवाएं) को प्राथमिकता दी है, भले ही इसके लिए कहीं और से संसाधन कम करने पड़ें। 2. 'कैसे उत्पादन करें?' में: सरकार को सोचना होगा कि ये सेवाएं कैसे दी जाएं - सरकारी अस्पताल ज़्यादा बनाए जाएं या निजी अस्पतालों की मदद ली जाए, कितने डॉक्टर और नर्स रखे जाएं। 3. 'किसके लिए उत्पादन करें?' में: यह साफ है कि सेवाएं 'सबके लिए' हैं, खासकर गरीबों के लिए ताकि उन्हें भी अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सके, भले ही वे इसके लिए भुगतान न कर सकें।

» उत्पादन संभावना सेट और सीमांत उत्पादन संभावना (PPC)

प्रश्न 13 (आसान). उत्पादन संभावना वक्र (PPC) क्या दर्शाता है?
उत्तर – दो वस्तुओं के उत्पादन के वे सभी संभावित संयोजन जो एक अर्थव्यवस्था अपने उपलब्ध संसाधनों और तकनीक से अधिकतम कर सकती है।

प्रश्न 14 (आसान). PPC वक्र किस ओर झुकता है - अंदर की ओर या बाहर की ओर?
उत्तर – यह आम तौर पर 'मूल बिंदु की ओर नतोदर' (concave to the origin) होता है, जिसका मतलब है कि यह बाहर की ओर झुकता है।

प्रश्न 15 (मध्यम). यदि कोई बिंदु PPC वक्र के अंदर स्थित है, तो वह क्या दर्शाता है?
उत्तर – यह दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था अपने संसाधनों का पूरी तरह या कुशलता से उपयोग नहीं कर रही है।

प्रश्न 16 (कठिन). यदि कोई अर्थव्यवस्था वस्तु X का उत्पादन बढ़ाना चाहती है, तो PPC वक्र के अनुसार उसे क्या करना होगा?
उत्तर – उसे वस्तु Y के उत्पादन की कुछ मात्रा छोड़नी पड़ेगी, क्योंकि संसाधन सीमित हैं और उनका पूर्ण उपयोग हो रहा है।

» अवसर लागत

प्रश्न 17 (आसान). अगर आप अपनी दुकान पर एक नया कूलर खरीदने के बजाय एक नया पंखा खरीदते हैं, तो नया कूलर खरीदना क्या है?
उत्तर – पंखा खरीदने की अवसर लागत।

प्रश्न 18 (आसान). अवसर लागत किस कारण उत्पन्न होती है?
उत्तर – संसाधनों की सीमितता और चुनाव की आवश्यकता के कारण।

प्रश्न 19 (मध्यम). एक अर्थव्यवस्था 100 क्विंटल गेहूँ या 80 क्विंटल चावल का उत्पादन कर सकती है। यदि वह 60 क्विंटल गेहूँ का उत्पादन करना चाहती है, तो उसे कितने क्विंटल चावल का त्याग करना पड़ेगा?
उत्तर – 48 क्विंटल चावल (100 क्विंटल गेहूँ में से 60 क्विंटल गेहूँ का उत्पादन किया, मतलब 40% गेहूँ का त्याग किया, तो 80 क्विंटल चावल का भी 40% यानी 32 क्विंटल चावल का उत्पादन होगा, इसलिए त्यागा गया चावल = 80 - 32 = 48 क्विंटल)

प्रश्न 20 (कठिन). सरकार के पास 1000 करोड़ रुपये हैं। वह या तो एक बड़ा बांध बना सकती है या फिर एक हज़ार छोटे स्कूल खोल सकती है। अगर वह बांध बनाने का फैसला करती है, तो उसकी अवसर लागत को कैसे मापेंगे और इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – बांध बनाने की अवसर लागत उन 1000 छोटे स्कूलों के लाभों के बराबर होगी जो खोले जा सकते थे (जैसे हजारों बच्चों को शिक्षा)। समाज पर प्रभाव यह होगा कि बिजली और सिंचाई तो मिलेगी, लेकिन शिक्षा से वंचित रहने वाले बच्चों की संख्या बढ़ सकती है।

» आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन: केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था

प्रश्न 21 (आसान). केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में मुख्य निर्णय कौन लेता है?
उत्तर – सरकार या केंद्रीय सत्ता।

प्रश्न 22 (आसान). इस अर्थव्यवस्था का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – पूरे समाज का कल्याण या वांछनीय लक्ष्य प्राप्त करना।

प्रश्न 23 (मध्यम). यदि केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में सरकार को लगे कि 'खाद्य सुरक्षा' अपर्याप्त है, तो वह उत्पादन और वितरण के संबंध में क्या निर्णय ले सकती है?
उत्तर – सरकार कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को सब्सिडी दे सकती है, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय कर सकती है, और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के माध्यम से गरीब लोगों तक भोजन पहुँचाने की योजना बना सकती है।

प्रश्न 24 (कठिन). केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में वस्तुओं के 'विनिमय' (खरीद-बिक्री) संबंधी निर्णय सरकार कैसे नियंत्रित करती है?
उत्तर – सरकार वस्तुओं की कीमतें तय कर सकती है, कौन सी वस्तुएँ कितनी मात्रा में बेची जाएंगी इसका कोटा निर्धारित कर सकती है, और वितरण चैनल (जैसे सरकारी दुकानें) स्थापित कर सकती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि महत्वपूर्ण वस्तुएँ सभी तक पहुँचें।

» आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन: बाशार अर्थव्यवस्था

प्रश्न 25 (आसान). एक बाजार अर्थव्यवस्था में, आर्थिक फैसले कौन लेता है?
उत्तर – बाजार की स्थितियाँ और कीमतें।

प्रश्न 26 (आसान). बाजार अर्थव्यवस्था में केंद्रीय सत्ता का हस्तक्षेप कैसा होता है?
उत्तर – न्यूनतम।

प्रश्न 27 (मध्यम). अगर बाजार में किसी वस्तु की सप्लाई बहुत ज़्यादा हो जाए, लेकिन मांग कम हो, तो उस वस्तु की कीमत पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – कीमत घट जाएगी।

प्रश्न 28 (कठिन). बाजार अर्थव्यवस्था में 'कीमतें' क्या भूमिका निभाती हैं? एक उदाहरण से समझाओ।
उत्तर – कीमतें बाजार में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। जैसे, अगर प्याज की कीमत बढ़ जाए, तो यह संकेत है कि उसकी मांग ज़्यादा है या सप्लाई कम है। इससे किसान अगली बार ज़्यादा प्याज उगाने को प्रोत्साहित होंगे, और खरीदार कम खरीदेंगे।

» मिश्रित अर्थव्यवस्था

प्रश्न 29 (आसान). मिश्रित अर्थव्यवस्था में कौन से दो प्रमुख तत्व शामिल होते हैं?
उत्तर – सरकार और बाज़ार।

प्रश्न 30 (आसान). क्या भारत एक मिश्रित अर्थव्यवस्था का उदाहरण है?
उत्तर – हाँ।

प्रश्न 31 (मध्यम). एक मिश्रित अर्थव्यवस्था में सरकार की क्या मुख्य भूमिकाएँ होती हैं?
उत्तर – सरकार सामाजिक कल्याण, आवश्यक सेवाओं (जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य) और बड़े ढांचागत विकास में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है, और नियम बनाती है।

प्रश्न 32 (कठिन). किसी देश में मिश्रित अर्थव्यवस्था क्यों अपनाई जाती है, जबकि शुद्ध बाज़ार या केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था के विकल्प भी हैं?
उत्तर – मिश्रित अर्थव्यवस्था सामाजिक न्याय और आर्थिक दक्षता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है। यह बाज़ार की कमियों (जैसे असमानता या सार्वजनिक वस्तुओं का अपर्याप्त प्रावधान) को दूर करने और सरकार की दक्षता संबंधी सीमाओं को भी ध्यान में रखने का प्रयास करती है।

» सकारात्मक अर्थशास्त्र

प्रश्न 33 (आसान). क्या यह कथन 'सकारात्मक' है: 'इस साल महंगाई 7% बढ़ गई है'?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 34 (आसान). क्या 'सरकार को गरीबों को मुफ्त भोजन देना चाहिए' एक सकारात्मक कथन है?
उत्तर – नहीं

प्रश्न 35 (मध्यम). अगर सरकार स्कूल में किताबें मुफ्त देगी, तो ज़्यादा बच्चे स्कूल जाएंगे। क्या यह कथन सकारात्मक है या आदर्शक?
उत्तर – सकारात्मक (यह 'क्या होगा' का एक तथ्यात्मक अनुमान है)

प्रश्न 36 (कठिन). एक अर्थशास्त्री कहता है, 'अगर बैंक ब्याज दरें बढ़ाएंगे, तो निवेश घटेगा।' दूसरा कहता है, 'बैंकों को गरीबों को कम ब्याज पर लोन देना चाहिए।' इनमें से कौन-सा कथन सकारात्मक अर्थशास्त्र का है?
उत्तर – पहला कथन: 'अगर बैंक ब्याज दरें बढ़ाएंगे, तो निवेश घटेगा' (यह 'क्या होगा' पर आधारित एक तथ्यात्मक भविष्यवाणी है)।

» आदर्शक अर्थशास्त्र

प्रश्न 37 (आसान). क्या 'शिक्षक को बच्चों को गृहकार्य देना चाहिए' एक आदर्शक कथन है?
उत्तर – हाँ

प्रश्न 38 (आसान). क्या 'आज बारिश हो रही है' एक आदर्शक कथन है?
उत्तर – नहीं

प्रश्न 39 (मध्यम). बताइए, 'भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6% है' – यह सकारात्मक है या आदर्शक?
उत्तर – सकारात्मक

प्रश्न 40 (कठिन). एक ऐसा उदाहरण दीजिए जिसमें सकारात्मक और आदर्शक दोनों पहलू शामिल हों।
उत्तर – सकारात्मक: 'शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है।' आदर्शक: 'सरकार को प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कानून बनाने चाहिए और लोगों को जागरूक करना चाहिए।'

» व्यष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 41 (आसान). क्या एक परिवार का मासिक खर्च व्यष्टि अर्थशास्त्र का हिस्सा है?
उत्तर – हाँ, क्योंकि यह एक व्यक्तिगत इकाई (परिवार) का आर्थिक व्यवहार है।

प्रश्न 42 (आसान). क्या पूरे देश की बेरोज़गारी व्यष्टि अर्थशास्त्र में आएगी?
उत्तर – नहीं, यह समष्टि अर्थशास्त्र का हिस्सा है क्योंकि यह पूरे देश को प्रभावित करती है।

प्रश्न 43 (मध्यम). अगर कोई कंपनी तय करती है कि उसे इस साल 1000 साइकिल बनानी हैं, तो यह किस अर्थशास्त्र का उदाहरण है? क्यों?
उत्तर – यह व्यष्टि अर्थशास्त्र का उदाहरण है, क्योंकि इसमें एक 'अकेली कंपनी' (a single firm) के उत्पादन संबंधी निर्णय का अध्ययन हो रहा है।

प्रश्न 44 (कठिन). एक सब्ज़ीवाला अपनी टमाटरों की कीमत कैसे तय करता है, जिससे उसे सबसे ज़्यादा फ़ायदा हो और ग्राहक भी खरीदें? इस प्रक्रिया में व्यष्टि अर्थशास्त्र कैसे लागू होता है?
उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र के तहत, सब्ज़ीवाला अपने टमाटरों की लागत (खर्च), बाज़ार में टमाटरों की उपलब्धता (आपूर्ति), और ग्राहकों की खरीदने की क्षमता (माँग) को देखता है। वह इन सभी कारकों के आधार पर ऐसी कीमत तय करता है जिससे उसे ज़्यादा से ज़्यादा लाभ हो और उसके टमाटर बिक भी जाएँ। यह व्यक्तिगत उत्पादक और विशिष्ट बाज़ार के व्यवहार का अध्ययन है।

» समष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 45 (आसान). जब हम पूरे देश में 'बेरोजगारी दर' (unemployment rate) की बात करते हैं, तो यह अर्थशास्त्र की किस शाखा से संबंधित है?
उत्तर – समष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 46 (आसान). अगर कोई कंपनी अपनी एक नई फैक्ट्री खोलने का फैसला करती है, तो यह किस शाखा के अध्ययन का विषय होगा?
उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र (क्योंकि यह एक 'व्यक्तिगत फर्म' का निर्णय है)

प्रश्न 47 (मध्यम). महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम 'समष्टि अर्थशास्त्र' का हिस्सा क्यों हैं?
उत्तर – क्योंकि महंगाई पूरे देश के 'समग्र कीमत स्तर' को प्रभावित करती है, और सरकार पूरे देश के आर्थिक स्थिरता के लिए नीतियां बनाती है।

प्रश्न 48 (कठिन). क्या आप बता सकते हैं कि 'व्यष्टि अर्थशास्त्र' और 'समष्टि अर्थशास्त्र' दोनों एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए हैं, भले ही वे अलग-अलग मुद्दों का अध्ययन करते हों?
उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र में लिए गए व्यक्तिगत निर्णय (जैसे लोग क्या खरीदते हैं, कंपनियां कितना उत्पादन करती हैं) मिलकर समष्टि अर्थशास्त्र के बड़े रुझानों (जैसे कुल उत्पादन, कुल रोजगार) को प्रभावित करते हैं। इसी तरह, समष्टि आर्थिक नीतियां (जैसे ब्याज दरें) व्यक्तियों और फर्मों के व्यष्टिगत निर्णयों को प्रभावित करती हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. सोहन के पास एक घंटे का खाली समय है। वह या तो अपनी किताब पढ़ सकता है या अपने दोस्त से मिलने जा सकता है। वह दोनों एक साथ नहीं कर सकता। इस स्थिति को अर्थशास्त्र की भाषा में समझाइए।

› पहला कदम: सोहन की 'आवश्यकताएँ' या 'इच्छाएँ' क्या हैं? वह किताब पढ़ना और दोस्त से मिलना चाहता है। ये उसकी असीमित इच्छाएं हैं, लेकिन यहां सिर्फ दो ही दी गई हैं।

› दूसरा कदम: उसके पास 'संसाधन' क्या है? उसके पास केवल 'एक घंटा' का खाली समय है। यह उसका सीमित संसाधन है।

› तीसरा कदम: अब, चूंकि उसका संसाधन (समय) सीमित है और उसकी इच्छाएँ (पढ़ना और मिलना) एक ही समय पर पूरी नहीं हो सकतीं, इसलिए यहाँ 'दुर्लभता' की स्थिति पैदा होती है। उसे दोनों में से किसी एक को चुनना पड़ेगा।

› चौथा कदम: इस 'दुर्लभता' के कारण सोहन को 'चयन की समस्या' का सामना करना पड़ रहा है। उसे यह 'चुनना' पड़ेगा कि वह क्या करे।

उत्तर – इस स्थिति में सोहन की पढ़ने और दोस्त से मिलने की 'आवश्यकताएँ' असीमित हैं, जबकि उसके पास 'समय' का संसाधन सीमित है। यह 'संसाधनों की दुर्लभता' को दर्शाता है, जिसके कारण सोहन को 'चयन की समस्या' का सामना करना पड़ रहा है।

उदाहरण 2. एक हलवाई को अपने ग्राहकों के लिए मिठाइयाँ बनानी हैं। उसके पास क्या-क्या 'संसाधन' हो सकते हैं और वह 'व्यक्ति विशेष' के रूप में क्या निर्णय लेगा?

› पहला कदम: हलवाई के पास 'संसाधन' क्या-क्या हैं, इसकी पहचान करेंगे। उसके पास 'raw materials' जैसे दूध, चीनी, मैदा, घी हैं। उसके पास 'labour' यानी कारीगर और कर्मचारी हैं। उसके पास 'capital' यानी भट्ठी, बर्तन और दुकान भी है।

› दूसरा कदम: अब देखेंगे कि हलवाई 'व्यक्ति विशेष' के तौर पर क्या 'decisions' लेगा। वह तय करेगा कि कौन सी मिठाई बनानी है, कितनी मात्रा में बनानी है, किस दाम पर बेचनी है और ग्राहकों तक कैसे पहुँचाना है।

› तीसरा कदम: वह इन संसाधनों का 'best possible use' करेगा ताकि कम लागत में अच्छी गुणवत्ता की मिठाइयाँ बन सकें और उसे मुनाफा हो।

उत्तर – हलवाई के संसाधन हैं दूध, चीनी, मैदा, घी, कारीगर, भट्ठी, दुकान आदि। वह व्यक्ति विशेष के रूप में यह निर्णय लेगा कि कौन सी मिठाई बनानी है, कितनी बनानी है, और कैसे बेचनी है।

उदाहरण 3. एक देश के पास सीमित संसाधन हैं। उसे यह तय करना है कि वह कृषि उत्पादों (जैसे अनाज) का उत्पादन ज़्यादा करे या औद्योगिक उत्पादों (जैसे कारें) का। वो इस समस्या को कैसे सुलझाएगा?

› पहला सवाल है: 'क्या उत्पादन करें और कितनी मात्रा में?' – देश को देखना होगा कि उसकी आबादी की सबसे ज़्यादा ज़रूरत क्या है। अगर ज़्यादा लोग गरीब हैं और उन्हें खाने की दिक्कत है, तो अनाज ज़्यादा ज़रूरी होगा।

› दूसरा सवाल है: 'कैसे उत्पादन करें?' – अनाज उगाने के लिए क्या वो ज़्यादा मज़दूरों का इस्तेमाल करे (जो गाँव में बेरोज़गार हो सकते हैं) या आधुनिक मशीनें लगाए (जो ज़्यादा तेज़ होंगी पर महंगी भी)? उसे दोनों के फायदे-नुकसान देखने होंगे।

› तीसरा सवाल है: 'किसके लिए उत्पादन करें?' – क्या वह अनाज सिर्फ़ उन लोगों को बेचे जो पैसे दे सकते हैं, या कुछ अनाज गरीब परिवारों को कम दाम पर या मुफ़्त भी दे ताकि कोई भूखा न रहे? उसे यह भी सोचना होगा।

उत्तर – देश इन तीनों सवालों पर विचार करके अपने सीमित संसाधनों का सबसे अच्छा इस्तेमाल करने की कोशिश करेगा ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की ज़रूरतें पूरी हो सकें और देश का विकास हो।

उदाहरण 4. मान लीजिए एक अर्थव्यवस्था में दो वस्तुएँ A और B बनती हैं। यदि सारे संसाधन वस्तु A पर लगें तो 100 इकाई A बन सकती है और 0 इकाई B. यदि सारे संसाधन वस्तु B पर लगें तो 80 इकाई B बन सकती है और 0 इकाई A. इसके अलावा, कुछ अन्य संभावनाएँ भी हैं: (A=80, B=40) और (A=50, B=70). इन संभावनाओं को PPC वक्र पर दर्शाकर समझाइए कि यदि अर्थव्यवस्था 80 इकाई A से 50 इकाई A पर आती है, तो उसे B की कितनी इकाई छोड़नी पड़ेगी?

› सबसे पहले, हम एक ग्राफ बनाएंगे। X-अक्ष पर वस्तु A की मात्रा और Y-अक्ष पर वस्तु B की मात्रा लेंगे।

› सभी दी गई संभावनाओं को ग्राफ पर बिंदुओं के रूप में चिह्नित करेंगे: (100,0), (0,80), (80,40), (50,70)।

› इन बिंदुओं को आपस में जोड़कर एक वक्र बनाएंगे। यही हमारा 'उत्पादन संभावना वक्र' (PPC) होगा।

› अब प्रश्न पर आते हैं: यदि अर्थव्यवस्था 80 इकाई A से 50 इकाई A पर आती है, तो वस्तु A का उत्पादन 30 इकाई कम हुआ (80 - 50 = 30)।

› जब A का उत्पादन 80 था, तो B का उत्पादन 40 था। जब A का उत्पादन 50 हुआ, तो B का उत्पादन 70 हो गया।

› इसका मतलब है कि A की 30 अतिरिक्त इकाइयों को पाने के लिए, B की 30 इकाइयाँ छोड़नी पड़ीं (70 - 40 = 30)।

उत्तर – अर्थव्यवस्था को वस्तु A की 30 इकाइयाँ कम करने के बदले वस्तु B की 30 अतिरिक्त इकाइयाँ प्राप्त हुईं। यहाँ, वस्तु A की 30 इकाई की अवसर लागत वस्तु B की 30 इकाई है।

उदाहरण 5. एक देश केवल दो वस्तुओं का उत्पादन कर सकता है: कपड़े और मोबाइल। अगर वह अपने सारे संसाधनों से 1000 यूनिट कपड़े बना सकता है या 500 मोबाइल बना सकता है। यदि देश 600 यूनिट कपड़े बनाने का निर्णय लेता है, तो उसे कितने मोबाइल का त्याग करना होगा?

› सबसे पहले, यह समझो कि सभी संसाधन या तो कपड़े बनाने में लग सकते हैं, या मोबाइल में।

› कपड़े की कुल अधिकतम मात्रा = 1000 यूनिट। मोबाइल की कुल अधिकतम मात्रा = 500 यूनिट।

› अगर देश 600 यूनिट कपड़े बना रहा है, तो कपड़े में उसने अपने संसाधनों का कितना प्रतिशत उपयोग किया? (600 / 1000) * 100 = 60%

› इसका मतलब है कि मोबाइल बनाने के लिए उसके पास 100% - 60% = 40% संसाधन ही बचे हैं।

› तो, मोबाइल की जो मात्रा त्यागी गई, वह है: 500 मोबाइल * (1 - 40%) = 500 मोबाइल * 0.60 = 300 मोबाइल।

› या आसान भाषा में, अगर वो 600 कपड़े बना रहा है (कुल 1000 का 60%), तो वो 500 मोबाइल का 60% यानी 300 मोबाइल का त्याग कर रहा है।

उत्तर – देश को 300 मोबाइल का त्याग करना होगा।

उदाहरण 6. एक केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में, सरकार का उद्देश्य समाज में शिक्षा के स्तर को बढ़ाना है। यह सरकार 'शिक्षा' को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठा सकती है?

› सबसे पहले, सरकार 'शिक्षा' को एक महत्वपूर्ण वस्तु या सेवा के रूप में पहचान करेगी जिसका उत्पादन अपर्याप्त है।

› दूसरा, सरकार योजना बनाएगी कि शिक्षा का उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए।

› तीसरा, सरकार संसाधनों का विनिधान करेगी। उदाहरण के लिए, वह नए स्कूल और कॉलेज बनाने के लिए पैसा आवंटित कर सकती है, शिक्षकों को प्रशिक्षित कर सकती है और उन्हें नियुक्त कर सकती है।

› चौथा, वह यह भी तय कर सकती है कि शिक्षा कहाँ और किसे दी जाएगी, जैसे मुफ्त प्राथमिक शिक्षा या उच्च शिक्षा के लिए सब्सिडी।

› पांचवां, सरकार शिक्षा के परिणामों की निगरानी करेगी और ज़रूरतों के अनुसार अपनी नीतियों को समायोजित करेगी ताकि समाज के लिए वांछित परिणाम प्राप्त हो सकें।

उत्तर – सरकार शिक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष निवेश (नए स्कूल, शिक्षक प्रशिक्षण) करेगी और शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए नीतियां बनाएगी, जैसे मुफ्त या रियायती शिक्षा, ताकि समाज का कल्याण हो सके।

उदाहरण 7. एक बाजार अर्थव्यवस्था में, अगर 'पेन' की मांग अचानक बहुत बढ़ जाए, तो क्या होगा?

› पहला कदम: 'पेन' की मांग बढ़ने का मतलब है कि ज़्यादा लोग पेन खरीदना चाहते हैं।

› दूसरा कदम: जब किसी चीज़ की मांग बढ़ती है और उसकी सप्लाई उतनी ही रहती है, तो 'कीमत' बढ़ जाती है।

› तीसरा कदम: जब पेन की कीमत बढ़ती है, तो पेन बनाने वाली कंपनियों को एक संकेत मिलता है कि लोग ज़्यादा पेन चाहते हैं और वे ज़्यादा कीमत देने को तैयार हैं।

› चौथा कदम: इस संकेत से प्रेरित होकर, पेन बनाने वाली कंपनियाँ ज़्यादा पेन का 'उत्पादन' करना शुरू कर देती हैं, क्योंकि उन्हें ज़्यादा मुनाफा कमाने का मौका मिलता है।

› पांचवां कदम: इस तरह, बाजार अर्थव्यवस्था में, 'मांग' और 'कीमत' मिलकर यह तय करते हैं कि किस वस्तु का 'कितना उत्पादन' होगा। कोई सरकार यह तय नहीं करती।

उत्तर – पेन की कीमत बढ़ेगी और पेन बनाने वाली कंपनियाँ ज़्यादा पेन का उत्पादन करेंगी।

उदाहरण 8. भारत की अर्थव्यवस्था किस प्रकार की अर्थव्यवस्था का उदाहरण है और इसमें सरकार तथा बाज़ार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

› पहला कदम है यह पहचानना कि भारत की अर्थव्यवस्था 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' (Mixed Economy) का एक प्रमुख उदाहरण है।

› दूसरा, हम सरकार की भूमिका देखेंगे। भारत में सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, और कुछ बड़े उद्योगों जैसे रेल, परमाणु ऊर्जा में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है और नियंत्रण रखती है। सरकार सामाजिक कल्याण के लिए नीतियां बनाती है।

› तीसरा, हम बाज़ार की भूमिका पर गौर करेंगे। निजी क्षेत्र, जिसमें उपभोक्ता और उत्पादक आते हैं, रोज़मर्रा की वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन और वितरण के अधिकांश फैसले बाज़ार शक्तियों (मांग और पूर्ति) के आधार पर लेते हैं। उपभोक्ता क्या खरीदेगा, उत्पादक क्या बनाएगा, यह बाज़ार तय करता है।

उत्तर – भारत की अर्थव्यवस्था एक मिश्रित अर्थव्यवस्था है, जहाँ सरकार बड़े सामाजिक और रणनीतिक निर्णय लेती है, जबकि रोज़मर्रा के अधिकांश आर्थिक क्रियाकलाप बाज़ार की शक्तियों द्वारा संचालित होते हैं।

उदाहरण 9. नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण का उदाहरण है? (A) सरकार को किसानों को अधिक सब्सिडी देनी चाहिए। (B) भारत में चावल का उत्पादन इस वर्ष 120 मिलियन टन होगा। (C) बेरोज़गारी कम करने के लिए सरकार को नए रोज़गार पैदा करने चाहिए।

› पहला कथन (A) 'सरकार को सब्सिडी देनी चाहिए' – यहाँ एक सुझाव है, 'क्या होना चाहिए' का भाव है।

› दूसरा कथन (B) 'उत्पादन 120 मिलियन टन होगा' – यह एक तथ्य या भविष्यवाणी है जिसे मापा जा सकता है। इसमें कोई राय नहीं है।

› तीसरा कथन (C) 'सरकार को रोज़गार पैदा करने चाहिए' – इसमें भी एक सुझाव है कि 'क्या करना चाहिए'।

› इसलिए, केवल कथन (B) ही 'सकारात्मक अर्थशास्त्र' का उदाहरण है क्योंकि यह 'क्या होगा' के बारे में एक तथ्यात्मक बयान है।

उत्तर – कथन (B) भारत में चावल का उत्पादन इस वर्ष 120 मिलियन टन होगा, सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण का उदाहरण

है।

उदाहरण 10. सकारात्मक अर्थशास्त्र और आदर्शक अर्थशास्त्र के बीच के अंतर को एक उदाहरण की मदद से समझाइए।

› पहला चरण: सकारात्मक अर्थशास्त्र का उदाहरण दें जो सिर्फ तथ्य बताता है। जैसे: 'भारत में बेरोजगारी दर 7% है।'

› दूसरा चरण: आदर्शक अर्थशास्त्र का उदाहरण दें जो राय या सुझाव देता है। जैसे: 'सरकार को रोजगार पैदा करने के लिए नई योजनाएं शुरू करनी चाहिए ताकि बेरोजगारी कम हो।'

› तीसरा चरण: दोनों के बीच का अंतर स्पष्ट करें। सकारात्मक अर्थशास्त्र 'क्या है' बताता है, जबकि आदर्शक अर्थशास्त्र 'क्या होना चाहिए' बताता है।

उत्तर – सकारात्मक अर्थशास्त्र सिर्फ वास्तविक स्थिति को दर्शाता है, जैसे 'भारत में बेरोजगारी दर 7% है'। वहीं, आदर्शक अर्थशास्त्र बताता है कि स्थिति कैसी होनी चाहिए, जैसे 'सरकार को रोजगार पैदा करने के लिए नई योजनाएं शुरू करनी चाहिए ताकि बेरोजगारी कम हो'।

उदाहरण 11. एक छात्र अपनी पढ़ाई के लिए किताबें खरीदने का निर्णय कैसे लेता है? इस स्थिति को व्यष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत समझाइए।

› पहला कदम है छात्र की 'सीमित आय' (limited income) को देखना। उसके पास कितना पैसा है किताबें खरीदने के लिए?

› दूसरा, छात्र अपनी 'आवश्यकताएँ और प्राथमिकताएँ' (needs and priorities) देखता है। उसे कौन-कौन सी किताबें चाहिए और कौन सी ज़्यादा ज़रूरी हैं?

› तीसरा, वह 'अलग-अलग दुकानों पर किताबों की कीमतें' (prices of books at different shops) पता करता है।

› चौथा, वह अपनी आय और कीमतों के आधार पर 'सबसे अच्छा विकल्प' (best option) चुनता है, जिससे उसे सबसे ज़्यादा संतुष्टि मिले।

› यह सब 'एक व्यक्ति' (a single individual) के 'आर्थिक निर्णय' (economic decision) का अध्ययन है, इसलिए यह व्यष्टि अर्थशास्त्र का उदाहरण है।

उत्तर – छात्र अपनी सीमित आय, ज़रूरतों और विभिन्न दुकानों पर कीमतों के आधार पर सबसे ज़्यादा संतुष्टि देने वाली किताबों का चयन करता है। यह व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक निर्णय का अध्ययन है जो व्यष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत आता है।

उदाहरण 12. एक अखबार में लिखा है, 'भारत का कुल घरेलू उत्पाद (GDP) इस वर्ष 7% की दर से बढ़ने का अनुमान है।' यह खबर अर्थशास्त्र की किस शाखा से संबंधित है और क्यों?

› पहचानें कि खबर किस बारे में है: यह 'भारत के कुल घरेलू उत्पाद' (GDP) की बात कर रही है।

› समझें कि 'कुल घरेलू उत्पाद' क्या दर्शाता है: यह पूरे देश की अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य है।

› निर्धारित करें कि यह 'व्यक्तिगत' या 'समग्र' स्तर का मुद्दा है: चूंकि यह 'पूरे देश' के आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाता है, यह एक समग्र (macro) मुद्दा है।

› निष्कर्ष निकालें: यह खबर 'समष्टि अर्थशास्त्र' से संबंधित है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था को एक 'पूरे के रूप में' देखती है और कुल निर्गत (output) जैसे बड़े पैमाने के आर्थिक मुद्दे का अध्ययन कर रही है।

उत्तर – यह खबर 'समष्टि अर्थशास्त्र' से संबंधित है क्योंकि यह पूरे देश के 'कुल निर्गत' (total output) यानी GDP के बारे में बात कर रही है, जो अर्थव्यवस्था के बड़े पैमाने के मुद्दों का अध्ययन है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा अर्थशास्त्र की नींव है। इसे अच्छे से समझ लो, क्योंकि आने वाले हर कॉन्सेप्ट में इसका ज़िक्र होगा। 'दुर्लभता' और 'चयन की समस्या' को हमेशा याद रखना।

• इस टॉपिक से 'संसाधन' और 'व्यक्ति विशेष' की परिभाषा उदाहरण सहित पूछी जा सकती है, ध्यान से पढ़ना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएँ क्या हैं और उन्हें उदाहरण सहित समझाइए।

• यह विषय बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। PPC वक्र का चित्र बनाना और उसके विभिन्न बिंदुओं (वक्र पर, अंदर, बाहर) का अर्थ समझाना अक्सर पूछा जाता है। इसे ग्राफ के साथ अभ्यास ज़रूर करना!

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में सीधे प्रश्न के रूप में या उदाहरण देकर पूछ ली जाती है, इसलिए इसके उदाहरणों पर खास ध्यान देना।

• केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था और बाजार अर्थव्यवस्था के बीच के अंतर को समझना बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर तुलनात्मक प्रश्न आते हैं।

• बोर्ड परीक्षाओं में 'सकारात्मक' और 'आदर्शक' अर्थशास्त्र में अंतर अक्सर पूछा जाता है। उनके उदाहरणों को ध्यान से समझ लेना, बहुत मदद मिलेगी।

• बोर्ड परीक्षा में, 'सकारात्मक' और 'आदर्शक' अर्थशास्त्र में अंतर अक्सर पूछा जाता है। उनके उदाहरणों को ध्यान से याद रखना, खासकर कि 'क्या है' और 'क्या होना चाहिए' वाला फर्क।

एक नज़र में रिवीज़न

› असीमित आवश्यकताएँ, सीमित संसाधन, दुर्लभता, और चयन की समस्या।

› संसाधन: उत्पादन हेतु प्रयुक्त वस्तुएँ; व्यक्ति विशेष: निर्णय लेने वाली इकाई।

› संसाधनों की सीमितता के कारण 3 केंद्रीय समस्याएँ: क्या, कैसे, किसके लिए उत्पादन करें।

› PPC: संसाधनों के पूरण उपयोग पर दो वस्तुओं के अधकितम उत्पादन संयोजन।

› अवसर लागत = त्यागा गया सर्वोत्तम विकल्प

› केंद्रीकृत योजनाबद्ध: सरकार सभी आर्थिक निर्णय लेती है, समाज कल्याण लक्ष्य।

› सकारात्मक अर्थशास्त्र: 'क्या है' या 'क्या होगा' का तथ्यात्मक विश्लेषण, कोई मूल्य निर्णय नहीं।

› आदर्शक अर्थशास्त्र = 'क्या होना चाहिए', राय, सिफारिशें, मूल्य निर्णय.